अमेरिका-ईरान युद्ध के बावजूद भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 में 4.55 लाख मीट्रिक टन अधिक बासमती चावल का निर्यात किए

संयुक्त राज्य अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल-मार्च) की चौथी तिमाही में व्यापार प्रभावित होने के बावजूद, भारत का बासमती चावल निर्यात मात्रा के लिहाज़ से वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में लगभग 7.51% अधिक रहा, जैसा कि कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (ए पी डा) के पास उपलब्ध आंकड़ों से पता चलता है।

ए पी डा ने वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एस), कोलकाता, द्वारा संकलित आंकड़ों का हवाला दिया है, जिसके अनुसार भारत का बासमती चावल निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में 65,21,009.35 मीट्रिक टन (लगभग 65.21 लाख मीट्रिक टन) रहा — जो वित्त वर्ष 2024-25 से 4,55,525.9 मीट्रिक टन (लगभग 4.55 लाख मीट्रिक टन) अधिक है।

हालाँकि, मूल्य के लिहाज़ से निर्यात 173.77 करोड़ रुपये (0.34%) कम होकर 50,138.24 करोड़ रुपये (लगभग 5.6 अरब डॉलर) रहा। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारतीय रुपये में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले तेज़ी से गिरावट आई, जिससे चावल निर्यातकों की कमाई घट गई।

डी जी सी आई एस के आँकड़ों के अनुसार, भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 50,312.01 करोड़ रुपये (करीब 5.87 अरब डॉलर) मूल्य का बासमती चावल निर्यात किया। भारत ने 2025-26 में 154 देशों को बासमती चावल निर्यात किया, जो 2024-25 के बराबर है।

2025-26 में मात्रा में लगभग 10.55 लाख मीट्रिक टन से सऊदी अरब, भारतीय बासमती चावल का सबसे बड़ा आयातक था। इसके बाद युद्धग्रस्त ईरान (लगभग 10 लाख मीट्रिक टन) और इराक (लगभग 7.64 लाख मीट्रिक टन) थे। 2024-25 में भी यह देश चोटी के तीन आयातक थे, जिन्होंने क्रमशः 10.98 लाख मीट्रिक टन, 8.55 लाख मीट्रिक टन और 9.05लाख मीट्रिक टन बासमती चावल की खरीद की।

सबसे बड़े 10 भारतीय चावल का आयात करने वाले देशों में संयुक्त अरब अमीरात (लगभग 5.35 लाख मीट्रिक टन), यमन गणराज्य (लगभग 3.97 लाख मीट्रिक टन), अमेरिका (लगभग 2.83 लाख मीट्रिक टन), यूनाइटेड किंगडम (लगभग 2.42 लाख मीट्रिक टन), कुवैत (लगभग 2.04 लाख मीट्रिक टन), जॉर्डन (लगभग 1.48 लाख मीट्रिक टन) और ओमान (लगभग 1.43 लाख मीट्रिक टन) शामिल हैं।

मूल्य के लिहाज़ से रुपयों में भी सऊदी अरब सबसे बड़ा खरीदार रहा जिसने 8,323.97 करोड़ रुपये का भुगतान किया। इसके बाद ईरान (6,971.44 करोड़ रुपये), इराक (5,582.56 करोड़ रुपये), संयुक्त अरब अमीरात (4,133.92 करोड़ रुपये), यमन (2,864.29 करोड़ रुपये) और अमेरिका (2,521.9 करोड़ रुपये) रहे।

मूल्य के संदर्भ में भारतीय बासमती चावल के अन्य बड़े आयातकों में यूनाइटेड किंगडम (1,913.05 करोड़ रुपये), कुवैत (1,624.65 करोड़ रुपये), जॉर्डन (1,158.82 करोड़ रुपये) और ओमान (1,131.88 करोड़ रुपये) शामिल हैं।

वित्तीय वर्ष 2025-26 (अप्रैल-मार्च) में बासमती चावल का भारत का निर्यात

चोटी के 10 देश	मात्रा मीट्रिक टन में	मूल्य करोड़ रुपये में	मूल्य अरब डॉलर में
सऊदी अरब	10,55,668.96	8,323.97	0.94
ईरान	10,00,265.57	6,971.44	0.79
इराक	7,63,900.82	5,582.56	0.63
संयुक्त अरब अमीरात	5,35,284.99	4,133.92	0.46
यमन गणराज्य	3,96,675.03	2,864.29	0.32
संयुक्त राज्य अमेरिका	2,82,693.48	2,521.9	0.29
यूनाइटेड किंगडम	2,42,564.44	1,913.05	0.22
कुवैत	2,04,014.06	1,624.65	0.18

जोर्डन	1,48,391.34	1,158.82	0.13
ओमान	1,43,542.74	1,131.88	0.13
कुल मिलाकर	65,21,009.35	50,138.24	5.6

स्रोत: वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एस), कोलकाता